# Result Mitra Daily Magazine

## मलेशिया की ऑरंगुटान कूटनीति

### ❖ हालिया संदर्भ :

- हाल ही में मलेशिया ने ऑरंगुटान से संबंधित एक प्रस्ताव में बदलाव किया है।
- पूर्व में मलेशिया ने पॉम ऑयल खरीदने वाले देश को अपने यहाँ से लुप्तप्राय ऑरंगुटान उपहार स्वरूप देने की घोषणा की थी कि लेकिन कडे आलोचना के बाद नीति में परिवर्तन करते हुए मलेशिया ने पॉम ऑयल आयातकों को एक या अधिक ऑरंगुटान को संरक्षित करने के लिये धन की व्यवस्था की घोषणा की है, जिसके फलस्वरूप ऑरंगुटान को विदेश भेजे जाने के बजाय देश में ही संरक्षित किया जाएगा।

### ❖ ऑरंगुटान कूटनीति :

- मलेशिया ने चीन के पांडा कूटनीति के तर्ज पर ऑरंगुटान कूटनीति शुरू की थी क्योंकि मलेशिया में पॉम बागानों में वृद्धि के कारण ऑरंगुटान के प्राकृतिक आवास में कमी देखी गई है।
- मलेशिया दुनिया का दूसरा सबसे बडा पॉम ऑयल उत्पादक है, जो पॉम उद्योग को स्थायित्व प्रदान करने के लिये लगातार वनों की कटाई कर रहा है।
- मलेशिया इस नीति के तहत पॉम उद्योग पर से दबाव को हटाना चाहता है।
- हालांकि देशवासियों ने कहा कि इस नीति के बजाय हमें पॉम उत्पादन में स्थिरता लाने के साथ-साथ जंगलों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिये।

## ❖ ऑरंगुटान :

- वानर की विशिष्ट प्रजाति मुख्यतः वर्षा वनों में पाए जाते हैं, जिसका संकेन्द्रण सुमात्रा के द्वीपीय इलाकों में है।
- इसकी ज्यादातर आबादी मलेशिया, ब्रुनेई एवं इंडोनेशिया में निवास करती है।
- वर्तमान में इस क्षेत्र में इसकी आबादी 12 लाख है, जो जंगलों की कटाई से प्रभावित हो रही है।

## ❖ चीन की पांडा नीति से अलग :

- चीन के पास पांडा के लिये अत्याधुनिक सुविधाएँ है एवं चीन के पांडा को संरक्षित करने के लिये संरक्षित वन भी स्थापित किए है।
- मलेशिया की नीति के तहत प्रायोजकों से प्राप्त धन का इस्तेमाल ऑरंगुटान को प्राकृतिक आवास में संरक्षित करने के लिये किया जाएगा।
- 1972 में जब USA के राष्ट्रपति चीन पहुँचे, (यह USA के किसी भी प्रमुख द्वारा पहली चीन यात्रा थी) तो चीन ने उन्हें 2 विशाल पांडा उपहार स्वरूप दिया था।
- तत्कालीन चीनी राष्ट्रपति माओ जेदाँग का मानना था कि इससे दोनों देशों के रिश्ते में मधुरता आएगी।
- इस नीति के तहत चीन ने न केवल दूसरे देशों के साथ रिश्ते मजबूत करने पर ध्यान केन्द्रित किया, बल्कि पांडा के संरक्षण कार्यक्रम को भी मजबूत किया।
- वर्ष 2024 में भी चीन ने 20 वर्षों बाद US को पांडा उपहार स्वरूप भेजा है।

Note :- पांडा चीन का स्थानिक प्रजाति है, जो मुख्यतः मध्य चीन यानि यांग्त्सी रिवर बेसिन क्षेत्रों में पाया जाता है।

## ❖ WWF :

- वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर स्विस आधारित गैर-सरकारी संगठन है, जो दुनिया का सबसे बडा संरक्षण संगठन है।
- इसकी स्थापना 1961 में की गई थी, जिसका HQ ग्लैण्ड, स्विट्जरलैंड में है।
- यह संस्था 100 से ज्यादा देशों में 3000 से ज्यादा संरक्षण और पर्यावरण परियोजनाओं को चलाता है।
- इसका लोगो (प्रतीक चिन्ह) विशाल पांडा है, जिसे वर्ष 2000 में लोगो के रूप में अपनाया गया था।

Result Mitra TM

## ❖ पॉम ट्री :

- यह एरेकेसी या पॉल्मे प्रजाति का सदस्य है, जो ऐरेकेल्स क्रम के मोनोकोटोलाइडन फूल वाले पौधों का एक परिवार है।
- यह सदाबहार पेड, झाडियों या लताओं के रूप में विकसित हो सकता है, जिसे 'लियाना' नाम से जाना जाता है।
- यह अमेरिका, एशिया, अफ्रीका एवं ऑस्ट्रेलिया में विस्तृत रूप में पाया जाता है, जिसका प्रमुख क्षेत्र भारत, जापान, मलेशिया, इंडोनेशिया, मेडागास्कर आदि है।
- यह उष्ण एवं उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र में ज्यादा बेहतर रूप से विकसित होते हैं, जो आर्द्र मौसम एवं तेज धूप तथा उच्च तापमान (70-80$^{0}$F) आदर्श जलवायविक दशाएं प्रदान करता है।
- ये वाणिज्यिक दृष्टि से काफी उपयोगी है, क्योंकि इनसे तेल प्राप्त किया जाता है, जो खाद्य-तेल की पूर्ति करता है।
- इंडोनेशिया एवं मलेशिया मिलकर वैश्विक पॉम ऑयल उत्पादन का 90% उत्पादित करते हैं।
- 2022 में अकेले इंडोनेशिया ने वैश्विक उत्पादन का लगभग 60% पॉम तेल उत्पादित किया।
- भारत पॉम ऑयल का सबसे बडा आयातक है। पॉम ऑयल भारत के कुल वनस्पति खाद्य-तेल का 40% हिस्सा के बराबर है।
- वर्ष 2021 में भारत ने खाद्य-तेल पॉम ऑयल राष्ट्रीय मिशन की शुरूआत की ताकि घरेलू स्तर पर इसके उत्पादन को बढावा दिया जा सके।
- भारत के तटीय राज्य पॉम ऑयल के प्रमुख उत्पादक है।

Result Mitra